प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 6 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्रगति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं, कुछ विकासोन्मुख। विकसित देश वे हैं जहाँ आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग हो रहा है। ऐसे देश नाना प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं और उस सामग्री की खपत के लिए बाजार ढूँढ़ते रहते हैं। अत्यधिक उत्पादन–क्षमता के कारण ही ये देश विकसित और अमीर हैं। विकासोन्मुख या गरीब देश उनके समान ही उत्पादन करने की आकांक्षा रखते हैं और उन सभी आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करते हैं। उत्पादन क्षमता बढ़ाने का स्वप्न देखते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि सारे संसार में उन वायुमंडल–प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी हैं जो विकास के लिए परम आवश्यक माने जाते हैं। इन विकास–वाहक उपकरणों ने अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न कर दी हैं। वायुमंडल विषाक्त गैसों से ऐसा भरता जा रहा है कि संसार का सारा पर्यावरण दूषित हो उठा है, जिससे वनस्पतियों तक के अस्तित्व संकटापन्न हो गए हैं। अपने बढ़ते उत्पादन को खपाने के लिए हर शक्तिशाली देश अपना प्रभाव–क्षेत्र बढ़ा रहा है और आपसी प्रतिद्वंदिता इतनी बढ़ गई है कि सभी ने मारणास्त्रों का विशाल भंडार बना रखा है।

1. मनुष्य अपने भविष्य के बारे में सबसे अधिक चिंतित किस बात से है? 2

उत्तर : मनुष्य अपने भविष्य के बारे में सबसे अधिक चिंतित संसार में बढ़ते प्रदूषण के कारण है। जिससे मनुष्य का जीवन संकटग्रस्त हो गया है।

2. विकसित देश किस तकनीक का प्रयोग कर कैसे अमीर हो गए हैं? 2

उत्तर : विकसित देश आधुनिक तकनीक का प्रयोग करके और अत्यधिक उत्पादन करने के कारण अमीर हो गए हैं।

3. विकासोन्मुख या गरीब देश क्या चाहते हैं? 2

उत्तर : विकासोन्मुख या गरीब देश विकसित और अमीर देशों के समान ही उत्पादन बढ़ाना चाहते हैं।

4. संसार में वायु–प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है? 2

उत्तर : विकासोन्मुख या गरीब देश द्वारा (उत्पादन क्षमता का) विकास–वाहक उपकरणों के कारण वायु प्रदूषण बढ़ रहा है।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : विकसित देश और वायु प्रदूषण।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफाँ में नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तो तारे गगन के तारे तोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है
उसी विश्वास को फिर आज जन–जन में जगाओ तुम।
'पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे
करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम सीकरों में शक्ति है इतनी
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है।
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम।

1. नवयुवक दृढ़ निश्चय करके क्या–क्या कर सकते हैं? 2

उत्तर : नवयुवक दृढ़ निश्चय करके, आँधियों का रूख बदल सकते हैं, गगन के तारे तोड़ सकते हैं और विश्व के इतिहास में अपनी यश का एक नवीन अध्याय जोड़ सकते हैं।

2. विश्व को नवयुवकों की किस बात पर बड़ा भरोसा है और उन्हें लोगों में क्या जगाने को कहा जा रहा है? 2

उत्तर : विश्व को नवयुवकों के बाहुबल पर बड़ा भरोसा है और उसी बाहुबल के विश्वास को आज लोगों में भी जगाने को कहा जा रहा है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए– 2

"पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे
करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे।"

उत्तर : कवि कहना चाह रहा है कि यदि नवयुवक अपने कठिन परिश्रम से भूमि पर अन्न उपजायेंगे–तो सब ओर अन्न–जल की समृद्धि हो जाएगी। ऐसा होने पर करोड़ों दीन एवं निर्बल लोग उस अन्न–जल से नया जीवन प्राप्त करेंगे।

अथवा

यह मजूर, जो जेठ मास के इस निधूम अनल में
कर्ममग्न है अविकल दग्ध हुआ पल–पल में,
यह मजूर, जिसके अंगो पर लिपटी एक लैंगोटी,
यह मजूर, जर्जर कुटिया में जिसकी वसुधा छोटी,
किस तप में तल्लीन यहाँ है भूख–प्यास को जीते,
किस कठोर साधन में इसके युग के युग हैं बीते।
कितने महा महाधिप आए, हुए विलीन क्षितिज में,
नहीं दृष्टि तक डाली इसने, निर्विकार यह निज में।
यह अविकंप न जाने कितने घूंट पिए हैं विष के,
आज इसे देखा जब मैंने बात नहीं की इससे।
अब ऐसा लगता है, इसके तप से विश्व विकल है,
नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

1. जेठ के महीने में अपने काम में लगा हुआ मजदूर क्या अनुभव कर रहा है?

उत्तर : जेठ के महीने में अपने काम में लगा हुआ मजदूर अपने काम में मग्न है। गरम–मौसम भी उसके कार्य को बाधित नहीं कर रहा है।

2. उसने जीवन को कैसे जिया है? उसकी दशा को देखकर कवि को किस बात का आभास होने लगा है?

उत्तर : मजदूर सारा जीवन विष का घूंट पीकर जिया। वह सदा अभावों से ग्रस्त रहा। उसकी दशा देखकर कवि को लगता है कि मजदूर की तपस्या से सारा संसार विकल है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

उत्तर : इसका अर्थ है कि मजदूर के कठोर तप से यह लगता है कि उसे नया इंद्रपद मिलेगा अर्थात् कवि को लगता है कि अब उसकी हालत में सुधार होगा।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

विस्मित, सार्थक, भारत।

उत्तर : **विस्मित–** व् + इ + स् + म् + इ + त् + अ,
सार्थक– स् + आ + र् + थ् + अ + क् + अ,
भारत– भ् + आ + र् + अ + त् + अ।

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

ऊट, गवार, आख

उत्तर : **ऊट–** ऊँट
गवार– गँवार
आख– आँख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

पडित, दड, कुज।

उत्तर : **पडित–** पंडित
दड– दंड
कुज– कुंज

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

हाजिर, काफी, गजल।

उत्तर : **हाजिर–** हाज़िर
काफी– काफ़ी
गजल– गज़ल

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

घटिया, भावुक, बिकाऊ।

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	घट	इया
2.	भाव	उक
3.	बिक	आऊ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

पराक्रम, सहयोग, अयोग्य

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	परा	क्रम
2.	सह	योग
3.	अ	योग्य

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
निर्दयी, सुलभता, दुस्साहसी।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	निर्	दया	ई
2.	सु	लभ	ता
3.	दुस	साहस	ई

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
विरहाकुल, मिथ्यारोप, कपीश्वर, गजेंद्र, भारतेन्दु।

उत्तर : विरहाकुल– विरह + आकुल
मिथ्यारोप– मिथ्या + आरोप
कपीश्वर– कपि + ईश्वर
गजेंद्र– गज + इंद्र
भारतेन्दु– भारत + इन्दु

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग कीजिए। 3
1. तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।
2. बताइए क्या खाना बनाया है।
3. वे बीमार हैं इसलिए धीरे–धीरे चल रहे हैं।
4. वाह क्या बात कही है आपने।

उत्तर :
1. तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।
2. बताइए, क्या खाना बनाया है?
3. वे बीमार हैं, इसलिए धीरे–धीरे चल रहे हैं।
4. वाह! क्या बात कही है आपने।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गाँधी जी क्या कहते थे? 2

उत्तर : गाँधी जी दूसरे टिप्पणी करने वाले से पूर्ण विश्वास से यह कहते थे कि महादेव भाई के लिखे नोट से अपने नोट का मिलान कर लीजिए, गलती का पता चल जाएगा।

2. अतिथि के आने पर लेखक का हृदय अज्ञात आशंका से क्यों धड़क उठा था? 2

उत्तर : अतिथि के आने पर लेखक का हृदय अज्ञात आशंका से इसलिए धड़क उठा क्योंकि उसे चिंता थी कि अतिथि के स्वागत सत्कार में कितना खर्च हो जाएगा। अतिथि लगातार चार दिनों तक टिका रहा और लेखक का पैसा पानी की तरह बह (खर्च हो) रहा था।

3. शिखर पर जाने वालों को किसका सामना करना पड़ता है? 1

उत्तर : शिखर पर जाने वालों को हिमपात और मृत्यु के खतरे का पग–पग पर सामना करना पड़ता है।

9. क्या खरबूजे बेचने वाली बुढ़िया का दुख आपको संभ्रांत महिला के दुख से कम लगता है? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए। 5

उत्तर : खरबूजे बेचने वाली बुढ़िया और संभ्रांत महिला– दोनों का दुख असहनीय हैं। अपने जवान पुत्र की मृत्यु किसी भी माँ के हृदय को झकझोर देती है। यदि इन दोनों माताओं के दुख की तुलना करें तो खरबूजे वाली बुढ़िया माँ का दुख संभ्रांत महिला से बहुत अधिक है। उसका केवल पुत्र ही नहीं मरा, बल्कि उसके जीने का सहारा ही छिन गया। खरबूजे वाली विधवा है। इसलिए उसका और उसके परिवार का सारा खर्च उसके बेटे की कमाई पर ही निर्भर है। इस मुसीबत और गरीबी के कारण वह बिल्कुल कंगाल हो गई। इसलिए बुढ़िया का दुख अधिक गहरा है।

अथवा

अच्छे आदमी की क्या पहचान है? 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर उत्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : गणेश शंकर विद्यार्थी जी कहते हैं कि एक अच्छे आदमी की सही पहचान है– उसका अच्छा आचरण। जो व्यक्ति भला है, वह सभी की भलाई की कामना करता है। उसके कार्य सभी के कल्याण के लिए होते हैं। इसके विपरीत जो धर्म के नाम पर या संप्रदाय के नाम पर लोगों को आपस में लड़वाता है और उन्हें एक–दूसरे से अलग करता है, ऐसा व्यक्ति धार्मिक होते हुए भी मानवता का विरोधी है। लेखक के शब्दों में– "ऐसे धार्मिक और दीनदार आदमियों से तो, वे ला–मजहब और नास्तिक आदमी कहीं अधिक अच्छे और ऊँचे हैं, जिनका आचरण अच्छा है, जो दूसरों के सुख–दुख का ख्याल रखते हैं और जो मूर्खों को किसी स्वार्थ–सिद्धि के लिए उकसाना बहुत बुरा समझते हैं।"

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. 'एक पत्र छाँह भी माँग मत' पंक्ति का आशय 'अग्निपथ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर : इस पंक्ति से कवि का यह आशय है कि अग्निपथ पर चलते हुए मनुष्य को छाँह माँगने के लिए भी मना करता है। कवि चाहता है कि 'संघर्षशील मनुष्य' अपने मन के संकल्प को ढीला न करे। वह सुख–सुविधा के मोह में न पड़ जाए। इससे मनुष्य को सुविधा के भोग की लत न लग जायें जिससे वह कठिनाइयों से बचने लग जायें।

2. 'नए इलाके में' कविता के आधार पर नव–निर्माण ने स्मृति को कैसे प्रभावित किया है? उदाहरण सहित उत्तर लिखिए। 2

उत्तर : नए निर्माण से पुरानी स्मृतियाँ बेकार हो जाती हैं। उदाहरण के लिए एक मनुष्य ने एक पीपल के पेड़ को निशानी बनाया था और अगले दिन पीपल का पेड़ उसे नहीं मिला तो वह घर का रास्ता ही भूल गया।

3. बीमार बच्ची सुखिया ने क्या इच्छा प्रकट की? 1

उत्तर : बीमार बच्ची सुखिया ने अपने पिता के सामने यह इच्छा प्रकट की कि वह देवी माँ के मंदिर के प्रसाद का फूल चाहती है।

11. 'आदमीनामा' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : इस कविता का मूल भाव यह है कि आदमी के अनेक रूप हैं। परिस्थितियों के कारण कभी तो वह देवता बन जाता है तो कभी राक्षस बन जाता है। कभी तो आदमी दूसरों के लिए अपनी जान दे देता है तो कभी किसी की जान ले लेता है। कभी कोई आदमी ऊँचे आसन पर बैठता है तो कभी कोई आदमी मारा–मारा फिरता है, उसे कहीं कोई ठिकाना नहीं मिलता है। इस प्रकार आदमी अनेक रूपों में देखने को मिलता है।

अथवा

रहीम ने जलहीन कमल का उदाहरण देकर क्या सिद्ध करने का प्रयास किया है? इससे हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर : रहीम ने जलहीन कमल का उदाहरण देकर यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि विपत्ति में आदमी की अपनी संपत्ति ही काम आती है। कभी भी दूसरों के द्वारा दी गई बाहरी सहायता किसी काम में नहीं आती। जैसे जलहीन कमल के मुरझाने पर सरोवर का जल ही उसकी सहायता करता है। यदि वह न हो तो सूरज भी उसे अपनी गर्मी देता रहे तो भी वह मुरझा जाता है। ऐसी दशा में उसे बाहर की सहायता भी जीवन नहीं दे पाती है।

इस उदाहरण से हमें यह सीख मिलती है कि हमें स्वयं को शक्तिशाली बनाना चाहिए। दूसरों की सहायता किसी काम नहीं आती। इसलिए स्वयं को शक्तिशाली बनाना चाहिए।

12. देशवासी देशहित में अपनी जान तब झौंकते हैं, जब उन्हें बलिदानी और सच्चे नेताओं का नेतृत्व मिल जाए। 'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर स्पष्ट उत्तर लिखिए। 3

उत्तर : 'दिए जल उठे' पाठ में जन आंदोलन अपने उग्र रूप में है। इतना जोश देशवासियों में तभी उमड़ता है जब वे देख लेते हैं कि उनके सामने अपनी देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले जुझारू नेता हों। गाँधी जी का त्याग, बलिदान और संघर्ष देखकर लोगों के लिए महिसागर नदी को पार करना भी आसान हो गया। सरदार पटेल के देश के लिए सच्चे नेतृत्व को देखकर देशवासी अपनी जान लड़ाने के लिए तैयार हो गए। यदि एक नेता पकड़ा जाता है तो अन्य अनेक नेता भी तैयार हो जाते हैं।

अथवा

"पशु भी मानव के प्रेम को समझते हैं।" स्पष्ट कीजिए कि गिल्लू महादेवी वर्मा के प्रेम को प्राणपण से चाहता था?

उत्तर : गिल्लू को महादेवी वर्मा से गहरा लगाव था। इस बात के कई प्रमाण हैं। जब भी महादेवी अपना कमरा खोलकर अंदर घुसती थीं, गिल्लू उनके पूरे शरीर पर ऊपर से नीचे झूलने लगता था। परन्तु यदि कोई अन्य व्यक्ति सामने होता तो वह ऐसा नहीं करता था। दूसरा प्रमाण है कि गर्मियों के दिनों में वह महादेवी के पास रहने के लालच में पास रखी सुराही के साथ चिपका रहता था। तीसरा प्रमाण यह कि उसने अस्वस्थ होने पर महादेवी के उपचार में सहायता की। चौथा प्रमाण यह कि जिन दिनों महादेवी अस्पताल में रही, उसने उतने दिन काजू खाना कम कर दिया। पाँचवाँ प्रमाण यह है कि मरने से पहले उसने महादेवी की उँगली थाम ली थी।

13. भाई के घर बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था? 2

उत्तर : भाई के घर बुलाने पर घर लौटते समय बहुत डर गया था। उसने यह सोचा कि उसके बड़े भाई झरबेरी से बेर तोड़ कर खाने के लिए डाटेंगे और उसे खूब पीटेंगे।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **वन और हमारा पर्यावरण।**
   • वन और पर्यावरण • प्रदूषण–निवारण में सहायक • वनों की अन्य उपयोगिता • वन–संरक्षण की आवश्यकता।
2. **कम्प्यूटर का महत्त्व।**
   • कम्प्यूटर–युग • रेल–सेवाओं में उपयोगी • मुद्रण में क्रांति • संचार–क्रांति में सहायक • रक्षा–उपकरणों में उपयोगी • स्वास्थ्य सेवा में सहयोग।
3. **बाल–श्रमिक।**
   • बाल श्रमिक कौन • दिनचर्या • व्यवसायियों द्वारा शोषण • प्रशासन और समाजसेवकों का सहयोग।

उत्तर :

1. वन और हमारा पर्यावरण

वन और पर्यावरण का बड़ा गहरा संबंध है। मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन इन्हीं पर निर्भर है। ये वर्षा लाने में सहायक होते हैं और धरती की उर्वरा–शक्ति को बढ़ाते हैं। वन वर्षा के जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ को रोकते हैं। यही रूका हुआ जल धीरे–धीरे सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वन भूमि के कटाव को रोकते हैं। आज हमारे जीवन की सबसे बड़ी समस्या है– पर्यावरण प्रदूषण। कार्बनडाई ऑक्साइड, गंदा धुआँ, कर्ण भेदी, दूषित जल– इन सबका अचूक उपाय है– वन–संरक्षण। आज शहरों में लगातार ध्वनि–प्रदूषण बढ़ रहा है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भयंकर समस्या समाप्त हो सकती है। परमाणु ऊर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास ही है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल–स्रोतों के भंड़ार हैं। वनों से दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती हैं जो सारे संसार को स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। वन हमें लकड़ी, फूल–पत्ती, खाद्य–पदार्थ, गोंद तथा अन्य वस्तुएँ प्रदान करते हैं। दुर्भाग्वश आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रतिशत वन रह गए हैं वृक्षों की अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन बनाए रखने के लिए 100 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता है।

2. कम्प्यूटर का महत्त्व

इक्कीसवीं सदी कम्प्यूटर–युग है। कम्प्यूटर के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। कम्प्यूटर के पास ऐसा मशीनी मस्तिष्क है जो लाखों–करोड़ों गणनाएँ पलक झपकते ही कर देता है। आपको पहले रेलवे–बुकिंग केन्द्र पर मीलों लंबी लाइनों में प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब कम्प्यूटर के द्वारा आप देश की किसी भी कम्प्यूटरीकृत खिड़की से कहीं से कहीं की टिकट बुक करा सकते हैं। पूरा देश कम्प्यूटर द्वारा जुड़ गया है। मुद्रण के क्षेत्र में देखा जाए तो एक बटन दबाते ही सारे अक्षरों को मोटा, पतला, टेढ़ा या कैसा भी मनचाहा बना सकते हैं। मुद्रण काफी कलात्मक, साफ–सुथरा और विविधतापूर्ण हो गया है। संचार–क्षेत्र में तो कम्प्यूटर ने क्रांति ला दी है। टेलीफोन, फैक्स, पेजिग, मोबाइल के बाद इंटरनेट ने तो मानों सारे संसार को ही ड्राइंग–रूम में कैद कर दिया है। इंटरनेट पर आप विश्व की कोई भी जानकारी घर–बैठे ले सकते हैं। रक्षा के उन्नत उपकरणों में, हवाई–यात्राओं में कम्प्यूटर–प्रणाली अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हुई हैं। भारत ने परमाणु–विस्फोट अत्यन्त उन्नत कम्प्यूटर–प्रणाली से किया। कम्प्यूटर की सहायता से हजारों किलोमीटर दूर ठीक निशाने पर वार करने की विधियाँ विकसित हुई हैं। स्वास्थ्य–सेवा के क्षेत्र में कम्प्यूटर ने अद्भुत सेवाएँ प्रदान की हैं। बीमारी की जाँच करने, सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण करने, हृदय–गति मापने आदि में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

3. बाल–श्रमिक

एक कोमल बच्चे को घोर मेहनत करते देखकर हमारा हृदय पसीज उठता है। किसी बच्चे का होटल पर दिन–रात बर्तन माँजना, अँगीठी सुलगाना। ग्राहकों की सेवा करना, छोटी बच्चियों का घरों में सफाई करना या फिर अपने माता–पिता के साथ ईंटें ढ़ोना बड़े मार्मिक दृश्य हैं। बाल मजदूर के उठते ही उस पर काम पर जाने का तनाव हावी हो जाता है। उसके माता–पिता उसे बड़े प्यार से उठाएँ, उसे स्कूल के लिए तैयार करें। उसे गर्म–गर्म नाश्ता मिलें। उसे जीवन में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित करें। परन्तु उस पर घर चलाने की जिम्मेदारियाँ लाद दी जाती हैं। मालिक उससे आवश्यकता से अधिक काम लेते हैं। यदि बाल मजदूर मना करे तो उसे बुरी तरह पीटते हैं। लज्जा की बात यह है कि बड़े–बड़े व्यवसायी से लेकर छोटे दुकानदार भी उनका जबरदस्त शोषण करते हैं। उनके अपने बच्चे आराम से जीते हैं, परन्तु ये बाल–मजदूर पीड़ा के आँसू पीते हैं। ये अपने अधिकारों के प्रति सजग नहीं होते, इसलिए इन्हें बहुत कम वेतन पर रखा जाता है। सरकार ने बाल–मजदूरी को अपराध घोषित कर दिया है। समाजसेवी संस्थाएँ भी इस दिशा में जागरूक हो रही हैं। बिहार के पेशे से इंजीनियर श्री कैलाश सत्यार्थी ने एक कारखाने से लगभग 250 बाल–मजदूर जो बंधक बनाए थे, मुक्त कराया था। सत्यार्थी जी ने अपने सहयोगियों के साथ अनेक ऐसी संस्थाएँ बनाई हैं जो इस दिशा में कार्यरत् हैं। सरकार भी इस दिशा में सख्त हो गई है।

15. विदेश में रहने वाले मित्र को भारत–भ्रमण का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

A-72, कोलोराड़ो
अमेरिका
दिनांक : 10 जनवरी, 2019
प्रिय अमित
स्नेह!

आशा है कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। यहाँ भी सब कुशलमंगल है। तुमको भारत से गए हुए अनेक वर्ष बीत गए। इस बीच भारत में बहुत परिवर्तन आया है। यहाँ भी अनेक दर्शनीय स्थल हैं, जहाँ अब जाना संभव हो गया है। जैसे– श्रीनगर एवं कश्मीर में (धारा 370 और 35A के समाप्त हो जाने पर) आसानी से घूमा जा सकता है। 'वाराणसी' शिव की नगरी का तो अत्यन्त सौंदर्यीकरण हो गया है। इसी प्रकार रायपुर (छत्तीसगढ़ में) शहर के बीचोंबीच में अत्यन्त ही मनोरम एंव रमणीय स्थल का विकास किया गया है।

एक बार आकर हमसे तथा अपने परिवार से भी मिल लो, बहुत अच्छा रहेगा।

आशा है तुम मेरे पत्र के अनुसार विचार कर जरूर यहाँ आने का प्रोग्राम बनाओगे। प्रतीक्षारत
तुम्हारा मित्र
श्रवण
G–215, ब्लॉक 6 B
कीर्ति नगर
दिल्ली

अथवा

आप तैराकी सीख रहे हैं। इससे होने वाले लाभ बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर :

C–125, शांतिनगर
जयपुर।
दिनांक : 20 मई, 2019
प्रिय गगन
स्नेह!

आशा है तुम वहाँ आनंदपूर्वक होंगे। मैं भी यहाँ स्वस्थ और तरोताजा हूँ। आजकल मैं तैराकी सीख रहा हूँ। जयपुर में अनेक तरणताल हैं जहाँ तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाता है। मैं पिछले दो हफ्तों से तैराकी सीख रहा हूँ। अब मुझे थोड़ा–थोड़ा तैरना आ गया है। अब पानी में उतरने से मुझे डर नहीं लगता।

मित्र! तैराकी सीखने से मुझमें बहुत आत्मविश्वास आ गया है। एक घंटा कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। तैरने से पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है और मैं अपने को बहुत तरोताजा महसूस करता हूँ। तुम भी तैरना जरूर सीखना। क्या पता आगे भविष्य मैं स्टेट लेबल की तैराकी प्रतियोगिता में भी भाग लें।
शेष शुभ!
तुम्हारा
अंकित

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

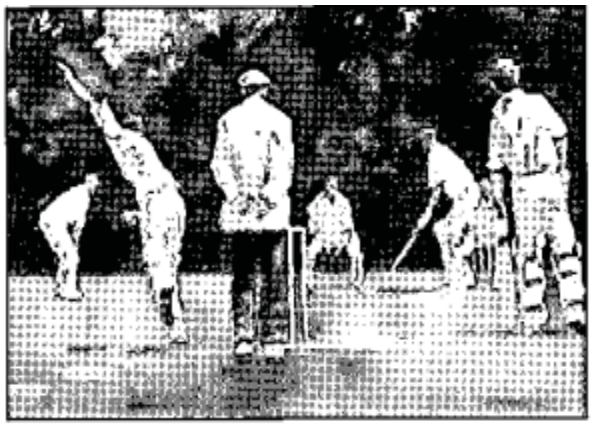

उत्तर : यह चित्र क्रिकेट के खेल का है। इसमें दो टीमों के खिलाड़ी होते हैं जिनमें 11–11 खिलाड़ी होते हैं। एक खिलाड़ी विकेट कीपर है। एक खिलाड़ी बैटिंग कर रहा है अर्थात् वह गेंद को बल्ले से मार रहा है। बाकी अन्य खिलाड़ी गेंद को पकड़ने के लिए खड़े हैं।

अथवा

उत्तर : इस चित्र में दीपावली का दृश्य दिखाई दे रहा है। लोगों ने अपने घरो को दीपकों से सजाया है। एक बच्चा अनार जला रहा है। दो बच्चे फुलझड़ी जला रहे हैं। एक महिला बच्चे के पास खड़ी है और बच्चे खुशी का अनुभव कर रहे हैं।

17. दो मित्रों के बीच संवाद दिखाइए जिसमें 'वे अपने जीवन में क्या बनना चाहते हैं' चर्चा हो। 5

उत्तर :

हिमांशु– हलो कार्तिक! कैसे हो?

कार्तिक– ठीक हूँ! तुम सुनाओ।

हिमांशु– ठीक हूँ! आजकल मैं मेडिकल की तैयारी कर रहा हूँ।

कार्तिक– तू भी अंकल की तरह डॉक्टर बनेगा।?

हिमांशु– हाँ, लेकिन मैं मिलेट्री का डॉक्टर बनूँगा। तू सुना, तू क्या बनना चाहता है?

कार्तिक– मैं तो इंजीनियर बनूँगा। इसलिए बी. टेक में प्रवेश की तैयारी कर रहा हूँ

हिमांशु– लेकिन कितने बी. टेक और एम. टेक करके नौजवान बेकार घूम रहे हैं।

कार्तिक– ऐसा नहीं है। कुछ दिनों में हजारों रिक्तियाँ निकलने वाली हैं, सबको नौकरी मिल जाएगी। निराश नहीं होना चाहिए।

हिमांशु– हाँ, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

कार्तिक– उम्मीद पर दुनिया कायम है। ठीक है, प्रयास तो करना है।

अथवा

आपके विद्यालय में गणित अध्यापक नए–नए आए हैं, उनसे एक छात्र संवाद करते हुए–

उत्तर :

मनोज– नमस्कार, श्रीमान जी!

अध्यापक– नमस्कार! कहो बेटे!

मनोज– श्रीमन! मैं आपका परिचय प्राप्त करना चाहता हूँ।

अध्यापक– मेरा नाम– अजय शर्मा हैं।

मनोज– श्रीमान! आप मुझे कौन–सा विषय पढ़ायेंगे?

अध्यापक– बेटा! मैं आपको गणित विषय पढ़ाऊँगा।

मनोज– जी श्रीमान! अभी तक मेरे गणित में ही कम अंक आते थे।

अध्यापक– किसी भी विषय में ऐसा न सोचो कि अमुक विषय कठिन है।

मनोज– जी श्रीमान्! धन्यवाद।

18. खेल का सामान तथा विभिन्न खेलों से संबंधित विभिन्न रंग की पोशाकें उपलब्ध हैं, एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

चंचल स्पोर्ट्स

खेल सामग्री तथा विभिन्न पोशाकों के उत्तम चयन के लिए हमारे यहाँ जरूर पधारें।
सभी वस्तुएँ उचित दाम में उपलब्ध हैं।

पता : त्रिपोलिया बाजार
कँवर, नगर, जयपुर

संपर्क :
प्रबंधक : 8871366000

अथवा

आपके शहर में आइसक्रीम पार्लर खुल रहा है, उसके लिए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

गुलाब आइसक्रीम
अनोखा स्वाद!

★ तरह–तरह की महक से भरपूर!
★ विभिन्न फलों और रसों से निर्मित!

गुलाब आइसक्रीम!
नाम ही काफी है
बेजोड़ स्वाद और ताजगी से भरपूर
आनन्द लीजिए और तरो ताजा हो जाइए!

सम्पर्क
A-25, *चांदपोल बाजार, स्टेशन रोड़ जयपुर*

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.